Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 19-03-2007

Participants : Tripathi Shri Chandramani

an>

Title: Need to withdraw the hike in railway charges for pilgrimages undertaken through rail.

श्री चन्द्र मणि त्रिपाठी (रीवा) : देश में अनेको छोटी-बड़ी तीर्थयात्रा कंपनियां है, जो लोगों को रेल के माध्यम से देश के विभिन्न तीर्थस्थलों, जैसे प्रयाग, काशी, अयोध्या, गया, गंगासागर, पूरी तिरूपति बालाजी, मदुरई, रामेश्वरम, कन्याकुमारी, श्रीशैलम, बेंगलुरू, मैसूर आदि तीर्थस्थलों की यात्रा कराती हैं, और इस हेतु रेलवे के स्वतंत्र थ्री टीयर कोच आरक्षित करती है। चूंकि यात्रा कई-कई दिनों, महीनों की होती है इसलिए रेल कोचों का विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ठहराव भी आवश्यक होता है और इसके लिए कंपनियों द्वारा रेलवे को हाल्ट चार्जेज आदि दिया जाता है। इससे देश की जनता को जहां तीर्थयात्रा करने में आसानी होती है, वहीं रेलवे के राजस्व में भी काफी वृद्धि होती है।

किन्तु हाल ही में रेलवे ने अपने एक आदेश द्वारा इस तीर्थयात्रा के हंतु लिये जाने वाले किराये में भारी बढ़ोतरी की है। पहले डिटेंशन चार्ज के रूप में 3,120 रुपये प्रतिदिन लिया जाता था, उसको बढ़ाकर 14,400 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। इसके अलावा अन्य चार्जो को भी बहुत ज्यादा बढ़ाया गया। इस प्रकार से रेलवे द्वारा तीर्थयात्रा हेतु लगभग 3 लाख रुपया लिया जाता था, वहीं अब 6 लाख 25 हजार रुपये से ऊपर हो गया है।

इस प्रकार से इतना अधिक किराया बढ़ाये जाने से लोगों में भरी रोा है।

अतः मेरा मंत्री महोदय से अनुरोध है कि उक्त किराया वृद्धि पर मंत्रालय पुनर्विचार करें तथा अपने उक्त आदेश को तुरन्त वापिस लें ताकि लोगों को रेलवे द्वारा देश में तीर्थयात्रा करने में वित्तीय परेशानी न हो।